साधु भाई जग सपना री बाजी भजन लिरिक्स

साधु भाई जग सपना री बाजी,
चेत सके तो चेत बावरा,
घंटी लारली बाजी,
ओ मन मेरा जग सपने री बाजी।bd।

सपने रंक राजा होय बैठो,
घर घोड़ा घर ताजी,
बतीस भोजन थाल सोवना,
भात भात री भाजी,
ओ मन मेरा जग सपने री बाजी।bd।

सपने बाँझ पुत्र एक जायो,
मंगल गायो राजी,
जाग पड़ी जब हुई निपूती,
होया ऊदासी माझी,
ओ मन मेरा जग सपने री बाजी।bd।

वेद पुराण भागवत गीता,
थक गए पंडित काजी,
ऐसा मर्द गर्द में माटी मे मिलगा,
लंका पती सा पाजी,
ओ मन मेरा जग सपने री बाजी।bd।

रजू में सरप सीप ज्यू मोती,
ज्यू जग मीथ्या बाजी,
कहे कबीर सुनो भाई सन्तो,
राम बजिया सु राजी,
ओ मन मेरा जग सपने री बाजी।bd।

साधु भाई जग सपना री बाजी,
चेत सके तो चेत बावरा,
घंटी लारली बाजी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ओ मन मेरा जग सपने री बाजी।bd।

स्वर – रामनिवास राव जी।
प्रेषक – संतोष महाराज पुष्करणा।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com